



बिहार के लियासत में सरपंच हमें-
शा बांह ही रहता है। खासकर
जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार
का ममता हो तब। दूरअसल
आज राजद सुपीयों लालू यादव
मीडिया से टकरा गए और उनसे
एंसा सवाल पूछा गया कि वह बैठक
संधि अद्वाज में जवाब दे गए। जवाब देते समय लालू
प्रसाद यादव बैठक खुश नजर आ रहे थे। उन्होंने
पत्रकारों को बैठक शांत भाव में जवाब दिया।

- राजद सुपीयों लालू यादव



मुजफ्फरनगर में दिल्ली
देहरादून हाईकोर्ट पर बांगावाली
चौराहा के निकट चल रहे धरना
प्रदर्शन में पहुंच गए हैं। राकेश
टिक्कट ने आही ही हाईकोर्ट पर एक
तरफ जाम लगवा दिया। एक सवाल के
जवाब में राकेश टिक्कट ने कहा कि दिल्ली किसानों से
दूर नहीं है।

- भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय
प्रवक्ता बोधीराम टिक्कट



अखिल भारतीय पुलिस डिप्युटी मीट
के आरडीएसो राटेंडियम
में हुए समाप्त समारोह में
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
शामिल हुए। इस द्वारा उन्होंने
उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था
पर अपनी बात रखी। ऐसे योगी ने
कहा कि मुझे यह कठोर में संकेत नहीं है की हम गूपी
का बुलाव लौं एंड ऑडर पर जीतने में सफल हुए हैं।
सीएस योगी ने गूपी पुलिस की तारीफ की।

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ



चंदे के धंधे पर लगी सुप्रीम रोक

» रमेश सराफ धमोरा

लोकतंत्र

सुप्रेते हुए राजनीतिक दलों के लिए चंदा जुटाने की पुरानी
इलेक्टोरल बांड स्कीम की अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने
पर तकाल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल
बांड की गोपनीयता बराबर रखने का असंवैधानिक है। यह स्कीम सूनामा
के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य व्यवस्था व्यापारी बंदरवाहू
के नेतृत्व में गंदित पांच ज़ोनों की बैंक ने सर्वसमिति से फेसला सुनाया
है। बैंक में जरिट्स संजीव खना, जरिट्स बीआर गवर्नर, जरिट्स जेबी
पारदीवाला और जरिट्स मनोज शिंशा शामिल हैं।

अपने फेसले में पैलीटिकल प्रोसेस में
राजनीतिक दल 30वां सुनित होते हैं। पौरीसिकल फंडिंग की जानकारी
वह प्रक्रिया है जिससे मतदाता को थोक डालने के लिए सही वैफ्स
मिलती है। गोर्टस को बुनावी फंडिंग के बारे में जीतने का अधिकार है।
जिससे मतदात के लिए सही चयन होता है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई
बंदरवाहू की अव्यक्ता बांधी पांच ज़ोनों की बैंक ने तीन दिनों तक लगातार
सुनाई दी करने के बाद 2 नवंबर 2023 को इस मामले में अपना फेसला
सुनाया। इसके बाद चंदा लेना यथा।

याचिकाकाताओं में ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफोर्म्स
(एडीआर), कांग्रेस नेता दया टाकुर और मारका शामिल हैं।

याचिकाकाताओं ने केंद्र सरकार की बुनावी बैंड योजना को सुप्रीम
कोर्ट में बुनावी देते हुये इन सभी ने इस योजना को लागू करने के
लिए काफ़ी फाइंस एक्ट 2017 और काफ़ीसेस एक्ट 2016 में किए गए कई
संशोधन को गलत बताया था। याचिकाकाताओं का दावा है कि इसे
राजनीतिक दलों के लिए जान और टैक बैंड भरे फंडिंग मिल रही है।

तकालीन वित मंत्री अरुण जेटी ने 2017 के बजाए में बुनावी
इलेक्टोरल बांड रक्कीम को अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने
पर तकाल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल
बांड की गोपनीयता बराबर रखने का असंवैधानिक है। यह स्कीम सूनामा
के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य व्यवस्था व्यापारी बंदरवाहू
के नेतृत्व में गंदित पांच ज़ोनों की बैंक ने सर्वसमिति से फेसला सुनाया
है। बैंक में जरिट्स संजीव खना, जरिट्स बीआर गवर्नर, जरिट्स जेबी
पारदीवाला और जरिट्स मनोज शिंशा शामिल हैं।

अपने फेसले में बैंड रक्कीम को लागू करने के लिए सही वैफ्स
मिलती है। गोर्टस को बुनावी फंडिंग के बारे में जीतने का अधिकार है।
जिससे मतदात के लिए सही चयन होता है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई
बंदरवाहू की अव्यक्ता बांधी पांच ज़ोनों का बैंक ने तीन दिनों तक लगातार
सुनाई दी करने के बाद 2 नवंबर 2023 को इस मामले में अपना फेसला
सुनाया। इसके बाद चंदा लेना यथा।

याचिकाकाताओं में ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफोर्म्स
(एडीआर), कांग्रेस नेता दया टाकुर और मारका शामिल हैं।

याचिकाकाताओं ने केंद्र सरकार की बुनावी बैंड योजना को सुप्रीम
कोर्ट में बुनावी देते हुये इन सभी ने इस योजना को लागू करने के
लिए काफ़ी फाइंस एक्ट 2017 और काफ़ीसेस एक्ट 2016 में किए गए कई
संशोधन को गलत बताया था। याचिकाकाताओं का दावा है कि इसे
राजनीतिक दलों के लिए जान और टैक बैंड भरे फंडिंग मिल रही है।

तकालीन वित मंत्री अरुण जेटी ने 2017 के बजाए में बुनावी
इलेक्टोरल बांड रक्कीम को अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने
पर तकाल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल
बांड की गोपनीयता बराबर रखने का असंवैधानिक है। यह स्कीम सूनामा
के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य व्यवस्था व्यापारी बंदरवाहू
के नेतृत्व में गंदित पांच ज़ोनों की बैंक ने सर्वसमिति से फेसला सुनाया
है। बैंक में जरिट्स संजीव खना, जरिट्स बीआर गवर्नर, जरिट्स जेबी
पारदीवाला और जरिट्स मनोज शिंशा शामिल हैं।

अपने फेसले में बैंड रक्कीम को लागू करने के लिए सही वैफ्स
मिलती है। गोर्टस को बुनावी फंडिंग के बारे में जीतने का अधिकार है।
जिससे मतदात के लिए सही चयन होता है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई
बंदरवाहू की अव्यक्ता बांधी पांच ज़ोनों का बैंक ने तीन दिनों तक लगातार
सुनाई दी करने के बाद 2 नवंबर 2023 को इस मामले में अपना फेसला
सुनाया। इसके बाद चंदा लेना यथा।

याचिकाकाताओं में ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफोर्म्स
(एडीआर), कांग्रेस नेता दया टाकुर और मारका शामिल हैं।

याचिकाकाताओं ने केंद्र सरकार की बुनावी बैंड योजना को सुप्रीम
कोर्ट में बुनावी देते हुये इन सभी ने इस योजना को लागू करने के
लिए काफ़ी फाइंस एक्ट 2017 और काफ़ीसेस एक्ट 2016 में किए गए कई
संशोधन को गलत बताया था। याचिकाकाताओं का दावा है कि इसे
राजनीतिक दलों के लिए जान और टैक बैंड भरे फंडिंग मिल रही है।

तकालीन वित मंत्री अरुण जेटी ने 2017 के बजाए में बुनावी
इलेक्टोरल बांड रक्कीम को अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने
पर तकाल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल
बांड की गोपनीयता बराबर रखने का असंवैधानिक है। यह स्कीम सूनामा
के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य व्यवस्था व्यापारी बंदरवाहू
के नेतृत्व में गंदित पांच ज़ोनों की बैंक ने सर्वसमिति से फेसला सुनाया
है। बैंक में जरिट्स संजीव खना, जरिट्स बीआर गवर्नर, जरिट्स जेबी
पारदीवाला और जरिट्स मनोज शिंशा शामिल हैं।

अपने फेसले में बैंड रक्कीम को लागू करने के लिए सही वैफ्स
मिलती है। गोर्टस को बुनावी फंडिंग के बारे में जीतने का अधिकार है।
जिससे मतदात के लिए सही चयन होता है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई
बंदरवाहू की अव्यक्ता बांधी पांच ज़ोनों का बैंक ने तीन दिनों तक लगातार
सुनाई दी करने के बाद 2 नवंबर 2023 को इस मामले में अपना फेसला
सुनाया। इसके बाद चंदा लेना यथा।

याचिकाकाताओं में ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफोर्म्स
(एडीआर), कांग्रेस नेता दया टाकुर और मारका शामिल हैं।

याचिकाकाताओं ने केंद्र सरकार की बुनावी बैंड योजना को सुप्रीम
कोर्ट में बुनावी देते हुये इन सभी ने इस योजना को लागू करने के
लिए काफ़ी फाइंस एक्ट 2017 और काफ़ीसेस एक्ट 2016 में किए गए कई
संशोधन को गलत बताया था। याचिकाकाताओं का दावा है कि इसे
राजनीतिक दलों के लिए जान और टैक बैंड भरे फंडिंग मिल रही है।

तकालीन वित मंत्री अरुण जेटी ने 2017 के बजाए में बुनावी
इलेक्टोरल बांड रक्कीम को अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने
पर तकाल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल
बांड की गोपनीयता बराबर रखने का असंवैधानिक है। यह स्कीम सूनामा
के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य व्यवस्था व्यापारी बंदरवाहू
के नेतृत्व में गंद

इस बार के सत्र से गायब हो बुद्धी के गुदे

नई दिल्ली। बुद्धी के विधायक संघीव

ज्ञा हर विधानसभा सत्र में बुद्धी के

जनसामाज्य की समस्याएं उठाते रहे हैं।

गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा का बजट

सत्र इन दिनों चल रहा है लेकिन हर बार की

तरह इस बार बुद्धी के विधायक संघीव

किसी समस्या को लेकर आवाज नहीं

उठाई। जबकि लंबे समय से बुद्धी के सौ

फूटा रोड का हाल बदलाव हो रखा है। गो

पानी की सलाह ईसे बुद्धी में आधिकारियम मचा

हुआ है। हर पंचवाहिनी में लोगों को एक एक समाज तक पानी जलबोर्ड का नहीं

मिलता है। लोकनाथों पार्टी के अंदर आए क्राइसिस मे

ज्ञाया इन समय समय पर बुद्धी की समस्या को उठा कर स्थानीय विधायक ने समाज की राह पर्याप्त है चाहे वो ढी-ढीए की बात हो

या सुन्दर कॉलेजों, स्कूल इन्केशेव में सिलंग का मामला हो। लेकिन इस बार बुद्धी

गए। हालांकि अभी सत्र चल रहा है और विधानसभा में रखे वाले लोग उम्मीद

में थे की 100 फूटा रोड के काम में आ रही बाजाओं की विधानसभा में रख कर स्थानीय विधायक समाजान के रेखांकित करते।

हम आज भी खालिस्तान के विरोध में महाराज

त्रिलोचन दास जी

दिल्ली/गाँजियाबाद। महाराज

त्रिलोचन दास जी ने सचिवंदन नानक

धाम इंद्रपुरी में 16 से 18 तारीख तक के

समाजगम के लिए प्रेष वार्ता की इस प्रेष वार्ता

में उठाने वाली में व्याप कीर्तियों के बारे में

वितानों से बताया उठाने की कहा कि आज का

युवा जहां लटका हुआ है वह नशे में अन्य

दिशाओं की ओर जा रहा है जिसको समझना

हर संतान का काम है उठाने की कहा कि धार्मिक

आयोजन एवं संतों से ही देश परहेले खालिस्तान के विरोध में शाहदत

दी गयी है। इसमें समाज ही सबसे पहले आपको बुद्धी खालिस्तान के विरोध में आया

था और समाज से आपने जान की कुर्बानी दी है जब आज भी समाज की उपर्याप्ति

के लिए उथान के लिए कार्य कर रहे हैं जिस तरह से समाज को आगे बढ़ावा देते हैं।

उसी तरह उन्होंने कहा कि आज का

युवा जहां लटका हुआ है वह नशे में अन्य

दिशाओं की ओर जा रहा है जिसको समझना

हर संतान का काम है उठाने की कहा कि धार्मिक

आयोजन एवं संतों से ही देश परहेले खालिस्तान के विरोध में शाहदत

दी गयी है। इसमें समाज ही सबसे पहले आपको बुद्धी खालिस्तान के विरोध में आया

था और समाज से आपने जान की कुर्बानी दी है जब आज भी समाज की उपर्याप्ति

के लिए उथान के लिए कार्य कर रहे हैं जिस तरह से समाज को आगे बढ़ावा देते हैं।

उसी तरह उन्होंने कहा कि आज का

युवा जहां लटका हुआ है वह नशे में अन्य

दिशाओं की ओर जा रहा है जिसको समझना

हर संतान का काम है उठाने की कहा कि धार्मिक

आयोजन एवं संतों से ही देश परहेले खालिस्तान के विरोध में शाहदत

दी गयी है। इसी तरह आज भी समाज की उपर्याप्ति

के लिए उथान के लिए कार्य कर रहे हैं जिसको समझना

हर संतान का काम है उठाने की कहा कि धार्मिक

आयोजन एवं संतों से ही देश परहेले खालिस्तान के विरोध में शाहदत

दी गयी है। इसी तरह उन्होंने कहा कि आज का

युवा जहां लटका हुआ है वह नशे में अन्य

दिशाओं की ओर जा रहा है जिसको समझना

हर संतान का काम है उठाने की कहा कि धार्मिक

आयोजन एवं संतों से ही देश परहेले खालिस्तान के विरोध में शाहदत

दी गयी है। इसी तरह उन्होंने कहा कि आज का

युवा जहां लटका हुआ है वह नशे में अन्य

दिशाओं की ओर जा रहा है जिसको समझना

हर संतान का काम है उठाने की कहा कि धार्मिक

आयोजन एवं संतों से ही देश परहेले खालिस्तान के विरोध में शाहदत

दी गयी है। इसी तरह उन्होंने कहा कि आज का

युवा जहां लटका हुआ है वह नशे में अन्य

दिशाओं की ओर जा रहा है जिसको समझना

हर संतान का काम है उठाने की कहा कि धार्मिक

आयोजन एवं संतों से ही देश परहेले खालिस्तान के विरोध में शाहदत

दी गयी है। इसी तरह उन्होंने कहा कि आज का

युवा जहां लटका हुआ है वह नशे में अन्य

दिशाओं की ओर जा रहा है जिसको समझना

हर संतान का काम है उठाने की कहा कि धार्मिक

आयोजन एवं संतों से ही देश परहेले खालिस्तान के विरोध में शाहदत

दी गयी है। इसी तरह उन्होंने कहा कि आज का

युवा जहां लटका हुआ है वह नशे में अन्य

दिशाओं की ओर जा रहा है जिसको समझना

हर संतान का काम है उठाने की कहा कि धार्मिक

आयोजन एवं संतों से ही देश परहेले खालिस्तान के विरोध में शाहदत

दी गयी है। इसी तरह उन्होंने कहा कि आज का

युवा जहां लटका हुआ है वह नशे में अन्य

दिशाओं की ओर जा रहा है जिसको समझना

हर संतान का काम है उठाने की कहा कि धार्मिक

आयोजन एवं संतों से ही देश परहेले खालिस्तान के विरोध में शाहदत

दी गयी है। इसी तरह उन्होंने कहा कि आज का

युवा जहां लटका हुआ है वह नशे में अन्य

दिशाओं की ओर जा रहा है जिसको समझना

हर संतान का काम है उठाने की कहा कि धार्मिक

आयोजन एवं संतों से ही देश परहेले खालिस्तान के विरोध में शाहदत

दी गयी है। इसी तरह उन्होंने कहा कि आज का

युवा जहां लटका हुआ है वह नशे में अन्य

दिशाओं की ओर जा रहा है जिसको समझना

हर संतान का काम है उठाने की कहा कि धार्मिक

आयोजन एवं संतों से ही देश परहेले खालिस्तान के विरोध में शाहदत

दी गयी है। इसी तरह उन्होंने कहा कि आज का

युवा जहां लटका हुआ है वह नशे में अन्य

दिशाओं की ओर जा रहा है जिसको समझना

हर संतान का काम है उठाने की कहा कि धार्मिक

आयोजन एवं संतों से ही देश परहेले खालिस्तान के विरोध में शाहदत

दी गयी है। इसी तरह उन्होंने कहा कि आज का

युवा जहां लटका हुआ है वह नशे में अन्य

दिशाओं की ओर जा रहा है जिसको समझना

हर संतान का काम है उठाने की कहा कि धार्मिक

आयोजन एवं संतों से ही देश परहेले खालिस्तान के विरोध में शाहदत

दी गयी है। इसी तरह उन्होंने कहा कि आज का

युवा जहां लटका हुआ है वह नशे में अन्य

दिशाओं की ओर जा रहा है जिसको समझन

